सफलता की कहानी...

जैविक खाद के उपयोग को आकाश आर्गेनिक फार्मिंग सहकारी समिति दे रही है बढ़ावा

आज आकाश आर्गेनिक फॉर्मिंग सहकारी समिति, मितरवाडी एक सफल सहकारी समिति है। मितरवाडी सहकारी समिति दौसा जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर बांदीकुई पंचायत समिति में स्थित है।

श्री रामजीलाल मितरवाडी के जागरूक किसान है। उन्होंने कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के नकारात्मक प्रभावों को देखा। इसके लिए उन्होंने नवाचार करते हुए जैविक खाद का उत्पादन करने का निश्चय किया।

जैविक खाद का उत्पादन अब बड़ी मात्रा में होने लगा। स्थानीय स्तर पर जैविक खाद की खपत होने के बाद भी खाद बचने लगी। अत: इसके विपणन के लिए वैकल्पिक उपायों पर विचार किया जाने लगा। इस दौरान प्रगतिशील कृषक श्री रामजीलाल ने सहकारी विभाग से सम्पर्क किया। दौसा इंकाई के सहायक पंजीयक ने जैविक खाद के विपणन के लिए सहकारी समिति के गठन का सुझाव दिया।

विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्रोत्साहित होकर 16 जागरूक किसानों द्वारा 12 सितम्बर, 2005 को आकाश आर्गेनिक फार्मिंग सहकारी समिति लिमिटेड मितरवाडी का पंजीयन करवाया गया। समिति सदस्यों द्वारा श्री रामजीलाल शर्मा को अध्यक्ष चुना गया।

समिति के अधिकांशत: सदस्य जैविक खाद (वर्मी कम्पोस्ट) के उत्पादन के लिए स्वयं के पशुओं के गोबर का उपयोग करते हैं खाद के लिए 3x1x1.5 फुट की क्यारियां तैयार की जाती है। उसमें एक किलो की दर से केंचुए छोड़े जाते है। केंचुओं द्वारा 75-90 दिन में खाद तैयार कर दी जाती है। सदस्य आम तौर पर 100 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा शेड बनाकर 6 लंबी क्यारियों में गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार करते है।

जैविक खाद स्वयं के उपयोग के बाद शेष रही खाद को समिति के सदस्य विपणन के लिए समिति में भेज दिया जाता है। समिति जैविक खाद को प्लास्टिक के कट्टों में पैक कर बिक्री करती है जिसमें एक कट्टे का वजन 50 किलो होता है। समिति द्वारा सदस्यों से जैविक खाद एवं केंचुएं क्रय किये जाते है और कृषि विभाग, दौसा सहकारी भूमि विकास बैंक एवं स्वयं के बिक्री काउण्टर के माध्यम से विपणन किया जाता है।

वर्तमान में जैविक उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में विशेष मांग है, जिसको ध्यान में रखते हुए समिति सदस्यों द्वारा जैविक उत्पादों के समिति के माध्यम से विपणन के लिए कृषि विभाग में पंजीयन कराये जाने की योजना है। विजिट के दौरान उच्च गुणवत्ता के उत्पादित आंवला, बील, व माल्टा भी समिति द्वारा देखे गये।

जैविक खाद के उत्पादन उत्पादन के लिए समिति अध्यक्ष को दौसा सहकारी भूमि विकास बैंक की ओर से ऋण एवं अनुदान दिया गया है तथा भूमि विकास बैंक के सौजन्य से ही नाडाई की ग्रामीण गोदाम निर्माण योजनान्तर्गत ऋण एवं अनुदान से एक गोदाम भी निर्मित किया गया है।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (जोसेसिंग) एवं दौसा जिला प्रभारी श्रीमती सिल्पी पाण्डे ने बताया कि समिति में वर्ष 2013-14 का अंकेक्षण हो गया है और अंकेक्षित लेखों के अनुसार 7 हजार 210 रूपये के सकल लाभ एवं 36हजार 566 रूपये के संचित लाभ में रही है।

श्रीमती पाण्डे ने बताया कि समिति अध्यक्ष व कुछ समिति सदस्यों से बातें करी गई और उन्हें उपभोक्ता संघ से बातें कर अपने जैविक उत्पादों यथा नीबू, आंवला, माल्टा, बील आदि की बिक्री संघ के माध्यम से करने की योजना बनाने को कहा गया जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त हो सके।